

प्रेषक,

दमयन्ती दोहरे,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधमसिंहनगर,
देहरादून, पौड़ी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तराकाशी एवं हरिद्वार।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 2 सितम्बर, 2009

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में जिला सैक्टर योजनान्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-8/नि०/आय-व्ययक/2009-10 दिनांक 1 अप्रैल, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में पशुपालन विभाग हेतु अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत जिला सैक्टर योजनाओं हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष संलग्न विवरण के अनुसार अनुदानवार, योजनावार, जनपदवार, आहरण वितरण अधिकारीवार, मदवार कुल धनराशि रूपया 7167 हजार (रूपया इकहत्तर लाख सड़सठ हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु संलग्न विवरणानुसार आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) संलग्न विवरणानुसार निर्गत स्वीकृति को तत्काल मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृति परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन कर लिया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

- (4) उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित लेखाशीर्षक के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

2. अनुदान संख्या-30 के 102-पशु और भैंस विकास के योजना कोड-0201 वर्तमान कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना व सुदृढीकरण योजनान्तर्गत 20-सहायक अनुदान मानक मद में अवमुक्त धनराशि रूपया 58.00 हजार तथा अनुदान संख्या-31 के 796 जनजाति उप क्षेत्र योजना 14-वर्तमान कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढीकरण योजनान्तर्गत मानक मद-20 सहायक अनुदान-मद में अवमुक्त धनराशि रु० 34.00 हजार अग्रिम आहरण कर यू०एल०डी०बी० को उपलब्ध कराया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-96(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 20 अगस्त, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-जनपदवार फांट

भवदीया,

(दमयन्ती दोहरे)
अपर सचिव

संख्या: 1808 (1) / XV-1/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. अपर निदेशक, पशुपालन को उनके पत्र संख्या-8/नि०/आय-व्ययक/2009-10 दिनांक 1 अप्रैल, 2009 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
4. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल, उत्तराखण्ड।
7. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. निदेशक, बजट एवं राजकोषीय निदेशालय, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग/राज्य योजना आयोग।
10. निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(अरविन्द कुमार गुप्ता)
अनु सचिव